MULLAPPALLY RAMACHANDRAN) :

(a) and (b) No, Sir. The Government has banned use of DDT in agriculture for plant protection since May, 1989. Also the use of BHC on vegetables, fruits, oilseed crops and for preservation of foodgrains has been banned since October, 1990. It is also not a fact that losses to crops are increasing every year.

(c) To promote safe, judicious and minmum use of chemical pesticide, Integrated Pest Management *inter alia* implying the adoption of cultural, mechanical and other non-chemical means is being accorded high priority.

कृषि को उद्योग का दर्जा दिया जाना

1799. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल :**

डा० येलामनचिली शिवाजी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार कृषि को उद्योग के रूप में घोषित करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) से (ग) सरकार ने राज्यों से विचार-विमर्श करने के लिए कृषि नीति संकल्प के मसौदे को अंतिम रूप दे दिया है। प्रारूप में यह परिकल्पना की गई है कि सरकार उद्योग के समान ही कृषि हेतु सकारात्मक व्यापार तथा निवेश का वातावरण बनाने तथा उद्योग के समान ही कृषि पर लाभ और ध्यान देने का प्रयास करेगी।

पशुओं का वध करने से पूर्व और पश्चात् उनका चिकित्सीय परीक्षण

1800. **डा० बापू कालदाते** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय मानक ब्यूरो ने पशुओं का वध किए जाने से पूर्व और पश्चात् उनका चिकित्सीय परीक्षण किए जाने के संबंध में कुछ नियम बनाये हैं;

(ख) क्या यह सच है कि पशु वध गृहों और निजी मांस विक्रेताओं द्वारा इन नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है :

(ग) क्या यह भी सच है कि ऐसे गोश्त से पशुओं की बीमारी उनका मांस खाने वाले व्यक्तियों में फैल जाती है;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार मांस खाने वालों को टेपवर्म जैसे कीड़ों से बचाने के लिए पशुवध-गृहों में भारतीय मानक ब्यूरो के नियम को कार्यान्वित करने और निजी मांस विक्रेताओं पर पाबंदी लगाने का विचार रखती हैं ;

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(च) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंका) : (क) भारती मानक ब्यूरो ने "मांस वाले जानवर के वध पूर्व और वध उपरान्त परीक्षण के लिए प्रक्रिया संहिता-आई एस: 1982-1971" पर भारतीय मानक तैयार किया है ।

(ख) स्थानीय निकायों के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत देश में लगभग 3600 मान्यता प्राप्त वधशालाएं हैं। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा तैयार किए गए मानकों का अनुसरण करना इन स्थानीय निकायों का विषय है । बहरहाल, ये मानक सांविधिक स्वरूप के नहीं हैं । संबंधित स्थानीय निकायों द्वारा बनाई गई उप-विधियां; वधशालाओं के स्वच्छतापूर्ण प्रबंध, पशुओं के वध पूर्व और वध उपरान्त निरीक्षण, रोगमुक्त और पौष्टिक मांस की बिक्री की शर्तें निर्धारित करती हैं तथा इन उपविधियों